(c) the steps contemplated in this directions ?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI DESAI): (a) The requirements of foreign aid for the Fourth Plan have not yet been finally assessed and therefore no precise answer can be given.

(b) The problem of raising internal resources to the maximum extent is engaging the attention of both the Central and State Governments.

(c) These will be known after the Fourth Five Year Plan has been finalised.

नेपथा और मिट्टी के तेल का उत्पादन

13. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **पैट्रोलियम और रसायन** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पैट्रोलियम के उत्पादन में मिट्टी के तेल तथा नेफथा का उत्पादन परस्पर सम्बन्धित है तथा मिट्टी के तेल का उत्पादन बढ़ाने से नेपथा का उत्पादन कम हो जाता है ।

(ख) यदि हां, तो क्या नेफथा पर आधारित उर्वरक कारखानों की स्थापना के लक्ष्य में मिट्टी के तेल का उत्पादन कम करने का लक्ष्य भी शामिल है;

(ग) क्या मिट्टी के तेल के साथ में नेफथा का उत्पादन करने से तेल शोधक कारखाने के अधिक लाभ कमाने की सम्भावना है; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा कम लाभ वाली वस्तु का उत्पादन शुरू करने के विचार के क्या कारण हैं ?

पैट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रघुरमैया) : (क) जी हां, आम तौर पर किन्तु द्वितीयक प्रक्रिया सुविधाओं की व्यवस्था से ऐसी हालत को ठीक करना और नेफथा का उत्पादन बनाए रखना संभव है ।

(ख) और (ग): जी नहीं ।

(घ) किसी शोधनशाला में, केवल उच्चतम मूल्यों के उत्पाद तैयार करना व्यवहार्य नहीं है । तकनीकी कारणों अथवा बाजार की मांग को पूरा करने के लिए कम मूल्य के कुछ उत्पादों, जैसे कि नेफथा, का उत्पादन जरूरी है ।

अनुसंधान तथा विकास विभाग सिंदरी

14. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **पैट्रोलियम और रसायन** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अनुसन्धान तथा विकास विभाग, सिन्दरी द्वारा कार्बनिक खाद के बारे में अब तक क्या अनुसन्धान किए गए हैं;

(ख) क्या यह सच है कि उन्होंने एक अभूतपूर्व उर्वरक तैयार किया है जो उर्वरक तथा भोजन दोनों काम आ सकता है; और

(ग) यदि हां, तो उसमें नाइट्रोजन तथा प्रोटीन की प्रतिशतता कितनी-कितनी है, उसकी उत्पादन लागत कितनी है और उसके उत्पादन के लिए सरकार द्वारा क्या योजना बनाई गई है ?

पैट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रघुरमैया) : (क) आयोजन तथा विकास विभाग, सिंदरी ने निम्न अनुसन्धान कार्यों को हाथ में लिया है :—

(1) उर्वरक कारखानों के, जो नाइट्रोजनी यौगिक से दूषित हैं, मल निस्राव के शोधन पर अनुसन्धान ।

(2) कार्बनिक खाद के रूप में काई पर अन्वेषण जैसे धान्य पौध को लगाने से पहले धान्य खेतों में आवरण उपज के तौर पर काई (Algal) का संवर्धन, ताकि जल रुद्ध भूमि में लगाए गए उर्वरक में नाइट्रोजन की क्षति को कम किया जा सके ।